राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 3 ग्रक्तूबर, 1973

कमांक 2509-ज(I)-73/29967. श्री शैना नाथ लांबा, पुत्र श्री विश्वन दास, लांबा, 135-ए, माडल टाउम, यमुनानगर तह्सील जगाधरी (श्रम्बाला) की मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब जंगी जागीर श्रवित्यम, 1948 की धारा 4के श्रवीन प्रदान की गई शन्तियों का प्रयोग करते हुए सहवं धादेश देते हैं कि श्री दीनानाथ की मुब्लिक 100 हएये की जागीर, जो कि उसे हरिया। सरकार की श्रविस्थना कमांक 3013-धार. (4)-87/2629, दिनांक 2 श्रगस्त, 1967 द्वारा मंजूर की गई श्री श्रव श्रीमती सुशीला कुमारी, विश्ववा श्री दीना नाथ के नाम रबी, 1971 से 150 हमये वाधिक की दर से मंजूर की जाती है। इन श्रधिकारों का प्रयोग सनद में दी गई बतों के श्रन्तगँत किया जागेगा।

क्रमांक 2502-ज(I)-73/29972.—श्री किशन लाल, पुत्र बृद्ध राम, गांव सियाना, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ को बृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब जंगी जागीर धिविनयम, 1948 की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई किसियों का प्रयोग करते हुए सहर्ष आदेश देते हैं कि श्री किशन लाल की मुख्लिक 100 रुपये की जागीर, जो कि उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना कमांक 860-र (III)-69/8564, दिनांक \$22 अप्रैल, 1969 हारा मंजूर की गई थी, अब श्रीमित उमरावली विश्ववा श्री किशन लाल के नाम खरीक, 1973 से 150 रुपये वाकिक की दर से मन्जूर की जाती है। इन ग्रविकारों का प्रयोग तन अर्थ की गई शर्तों के अन्तगैत किया जायेगा ।

कमांक 2411-ज(1)-73/29991.—पूर्वी पंचार युद्धपुरस्कार श्रीतिराम, 1948 (जैना कि उन में याज तक हरियाना सरकार द्वारा संगोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (ए) तमा 3 (ए) के प्रमुखार सीने गये श्रीवकारों का प्रयोग करते हुये हरियाना के राज्यपाल श्रीपित सुन्दर देवी, विवदा न्याम सुख, नांच क्षीत्र खुई, तहसील चरवी दादरी, जिला जिवानी को रबी, 1969 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक तमा खरीक, 1970 से 150 वनये वार्षिक की यत वाली युद्ध जानीर सनद में दी नई नांची के प्रमुसार सहवं प्रदान करते हैं।

कमांक 2543-ज(I)-73/29997.--पूर्वी पंजाब पृक्ष पुरत्यार व्यक्तित्रतः 1948 (जैता कि उत्त में व्याज तेक इरियाणा तरकार द्वारा सजीवन किता निया हैं) की आरो 2 (ए) (१ए) तथा 3 (१ए) के व्यत्वार सीने गये व्यव्यक्ति को प्रयोग करते हुने हरियाणा के राज्यपाल श्री मांगे एतम, पृक्त क्योतान, गांव बहेतरा, तहुनीन निवानी वेहा, जिला विवानी का रही, 1966 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक तथा खरींफ, 1970 से 180 रुपये वार्षिक कीमल वाली पृक्ष वानीर सनद में दी गई वार्षी के वानुसार सहवं प्रदान करते हैं।

कमांक 2511-ज(I)-73/30009.—पूर्वी पंजाब बुद्ध पुरस्कार श्रीधिनियम, 1948 (जैसा कि उस में झाज तक हरिया। सरकार द्वारा संगोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (I) तथा 3(I) के धनुसार झोंपे गये श्रीधकारों का प्रयोग करते हुए हरियागों के राज्यपाल श्री गुरदित्त सिंह, पुत हीरा सिंह, गांव फुलेकमाकरा, तहसील व जिला श्रम्बाला को रवी, 1967 से रवी, 1970 तक 100 रुपये तथा खरीफ, 1970 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाकी युद्ध जानीर सनद में दी गई शतों के धनुसार सह्वं प्रवान करते हैं।

कारी जैण्डम

कमोक 2195-ज(I)-73/29985.—हरियाणः सरकार, राजस्व विभाग की श्रधिसूचना कमोक 786-ज(I)-73/19075 किलोक 26 जून, 1973 के कमोक 1 के चौथे कालम "गांव व पता" के नीचे "सिंहुमा" की बजाये "सिंहुमा" पढ़ा जाये।

कमांक 2413-ज(I)-73/30003.—हरियाणा सरकार राजस्व विभाग, की ग्राधिसूचना कमांक 1227-ज(I)-73/18207, दिर्माक 19 जून, 1973 की तीसरी पंक्ति में खरीफ, 65 की बजाये 'रबी, 1969 पढ़ा आये।

विनोक 11 भनतूबर, 1973

कैमोंक 2614-ज (1)-73/30724. - हरियाणा सरकार. राजस्व विजाग, की श्रीधसूचना क्रमोंक 4964-ज (1)-72/ 16664, दिनोंक 4/5 जून, 1973. के कमोंक 6 के आगे कालम चार (गांव व पता) में कुश्पुर कला की वजाये सुरपुर कर्ता पढ़ा जावे ।

> गुरचरण सिंह बिन्दरा, अनर सचिव ।